VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 11 SEP 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1838)

Name of Candidate	Vikash Senthiya		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	398329
Center	MN	Date	11/09/22

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The Chalukyan architecture uniquely epitomises the grandeur and hybrid characteristic style of temple building. Elaborate. **(150 words) 10**
चालुक्य स्थापत्य कला विशिष्ट रूप से मंदिर निर्माण की वैभवपूर्ण और संकर अभिलक्षणिक शैली का प्रतीक है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

चालुक्य दक्कन भारत में एक प्रमुख शक्ति थी। इन्होंने मंदिर निर्माण की भव्य शैली को प्रारंभ किया।

→ बेसर शैली
↓
नागर व द्रविड़ के मिश्रण से निर्मित संकर शैली

→ ऐहोल का मंदिर
→ एलीफेंटा की गुफाएँ आदि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. The success or failure of a political movement is not always determined by the achievement of its stated goals. Discuss in light of the Ghadar movement.

(150 words) 10

किसी राजनीतिक आंदोलन की सफलता या विफलता सदैव उसके घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति से निर्धारित नहीं होती है। गदर आंदोलन के आलोक में चर्चा कीजिए।

गदर आंदोलन की शुरुआत अमेरिका के सेन फ्रांसिस्को में हुई थी। यह एक क्रांतिकारी संगठन था। लाला हरदयाल, सोहन सिंह भाखना, करतार सिंह सराभा आदि इस आंदोलन से जुड़े प्रमुख व्यक्ति थे।

गदर आंदोलन के घोषित लक्ष्य

1- देश को औपनिवेशिक शासन से मुक्त कराना

2- विदेशों में रह रहे भारतीयों को एकजुट कर स्वतंत्रता आंदोलन में भागीदार बनाया।

3- हथियार व धन के एकत्रण से भारत में चल रहे आंदोलन को सहायता देना

4- विदेशों में ब्रिटिश विरोध तथा भारतीयों के पक्ष में जनमत का निर्माण करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गदर आंदोलन के परिणाम

1- गदर आँदोलन अपने उन घोषित लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा।

2- 'कामागाटामारू जहाज' प्रकरण में वह अपने अथक प्रयासों के बावजूद असफल रहा।

3- विश्व युद्ध में अमेरिका - ब्रिटेन सहयोग के कारण अमेरिकी सरकार द्वारा उन पर कठोर कार्यवाई की गई।

अपनी इन असफलताओं के बावजूद गदर आंदोलन ने निम्न प्रभाव छोड़े -

1- भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को गति प्रदान की।

2- कई क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्रोत बने जैसे - करतार सिंह → भगत सिंह के

3- ब्रिटिश विरोधी माहौल तैयार किया।

गांधी के असहयोग व सविनय अवज्ञा आंदोलन की तरह गदर आंदोलन अपने लक्ष्यों की प्राप्ति में विफलता के बावजूद अनेक प्रभाव उत्पन्न करने में सफल रहा जिसने स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित व निर्देशित किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the ways in which Gandhian conceptualisation of Sarvodaya influenced Vinoba Bhave's Bhoodan movement. **(150 words) 10**
उन तरीकों की विवेचना कीजिए जिनसे सर्वोदय की गांधीवादी अवधारणा ने विनोबा भावे के भूदान आंदोलन को प्रभावित किया था।

स्वतंत्रता के पश्चात जमीन का पुनर्वितरण करने तथा समाजवादी लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन आरंभ किया।

इस आंदोलन के तहत लोगों से अपील की गई कि वे अपनी भूमि का एक हिस्सा दान करें ताकि भूमिहीनों को कृषि भूमि प्राप्त हो सके।

गांधी की सर्वोदय की अवधारणा का भूदान आंदोलन पर प्रभाव

गांधी की सर्वोदय की अवधारणा जॉन रस्किन के 'UNTO This Last' सिद्धांत से प्रेरित थी जिसमें सभी वर्गों के उत्थान की बात की गई थी।

→ विनोबा भावे का आंदोलन भी उन भूमिहीन व मजदूरों के उत्थान को लेकर चलता है जो विकास की प्रक्रिया में अत्यंत पीछे रह गए हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2- सर्वोदय की अवधारणा के अनुसार, भूदान आंदोलन समाज के सशक्त वर्ग से वंचितों को मुख्य धारा में लाने का आवाहन करता है।

3- इसके माध्यम से वर्ग संघर्ष के स्थान पर वर्ग समन्वय व हृदय परिवर्तन जैसी गांधीवादी विचारधारा पर बल दिया गया जो सर्वोदय की प्राप्ति के सिद्धांत थे।

इस प्रकार, भूमि का पुनर्वितरण कर सर्वोदय की बात की गई। हालांकि यह आंदोलन अपने उद्देश्य में पूर्णतः सफल नहीं हुआ किन्तु फिर भी इसने कई सकारात्मक परिणाम उत्पन्न किए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Bring out the evidences, which led to the Plate Tectonics Theory. Also, discuss how this theory explains the movement of plates.

(150 words) 10

उन साक्ष्यों को उजागर कीजिए जिनसे प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत का प्रतिपादन हुआ। साथ ही, विवेचना कीजिए कि यह सिद्धांत किस प्रकार प्लेटों की गति की व्याख्या करता है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत पृथ्वी पर प्लेटों (लिथोस्फीयर के खण्ड) के संचलन की व्याख्या के माध्यम से विभिन्न भू-आकृतिक प्रक्रियाओं की व्याख्या करता है।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत के लिए आवश्यक साक्ष्य

1. वेगनर के महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धांत ने स्पष्ट किया कि पूर्व में पृथ्वी के विभिन्न ~~खण्ड~~ पैंजिया के रूप में जुड़े थे, बाद में वे अलग दिशाओं में प्रवाहित हुए।

2- हैरी हेस की सागर नितल प्रसरण सिद्धांत ने महासागरीय कटक के सहारे नवीन क्रस्ट ~~की~~ ~~अ~~ के निर्माण की अवधारणा प्रस्तुत की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- पृथ्वी के चुम्बकीय गुणों के आधार पर भी प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत को समझने में सहायता मिली।

4- आर्थर हॉम्स का संवहनीय धारा सिद्धांत प्लेटों की गति को समझने का एक प्रमुख साक्ष्य था।

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत में प्लेटों का संचलन

- अभिसारी प्लेट संचलन
- अपसारी प्लेट संचलन
- समानांतर प्लेट संचलन

अभिसारी प्लेट संचलन
- → वलित पर्वतों का निर्माण
- → महासागरीय खड्ड
- → ज्वालामुखी व भूकंप क्रिया
- → विनाशात्मक प्लेट संचलन
- e.g. प्रशांत महासागर व उत्तरी अमेरिकी प्लेट संचलन

अपसारी प्लेट संचलन
- → महासागरीय कटक का निर्माण
- → ज्वालामुखी व भूकंप क्रिया
- → संरचनात्मक प्लेट संचलन
- → यूरेशियन व प्रशांत महासागरीय प्लेट संचलन

समानांतर प्लेट संचलन
- → न निर्माण न विनाश
- → भूकंप प्रभावित क्षेत्र
- → संरक्षी प्लेट संचलन

इस प्रकार प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत अनेक सिद्धांतों पर आधारित है और कई गतिविधियों को समझने में सहायक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Give an account of the formation of Abyssal Plains and highlight the relief features found on these plains. **(150 words) 10**

वितलीय मैदानों के निर्माण का विवरण दीजिए और इन मैदानों पर पाए जाने वाले उच्चावच संबंधी लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

वितलीय मैदान समुद्र के गहरे भाग में पाये जाते है जिसकी अधिकतम गहराई सामान्यत: 6000 मीटर तक मानी गई है और ये डीप सी प्लेन भी कहलाते हैं।

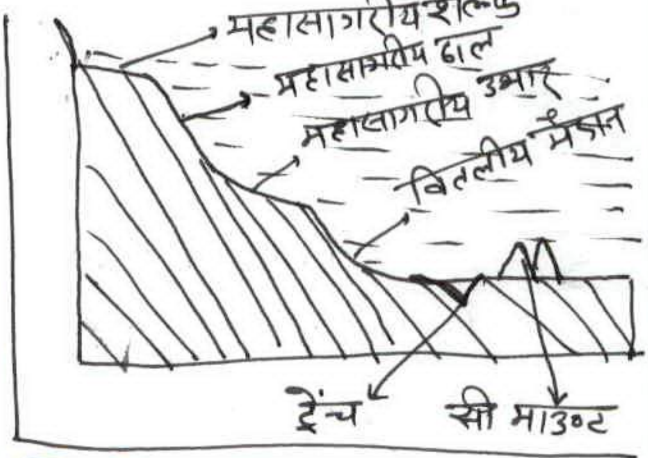

वितलीय मैदान का निर्माण

1- ये समुद्र के सबसे गहरे भाग होते हैं।

2- इनका निर्माण महासागरों के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान पैंजिया से विभिन्न महाद्वीपों के अलग होते समय गहरे स्थानों में जल भरने के कारण हुआ है।

3- इसके पश्चात विभिन्न सागरीय जीव-जन्तुओं की क्रियाएं, भू-प्राकृतिक प्रक्रियाएं (ज्वालामुखी आदि) इन्हें परिवर्तित करती रहती है।

वितलीय मैदान के प्रमुख उच्चावच

1- महासागरीय गर्त - ये वितलीय मैदान के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सर्वाधिक गहरे भाग होते है। इनका निर्माण अभिसारी प्लेट संचलन के दौरान होता है।
जैसे मेरियाना ट्रेंच (प्रशांत महासागर, लगभग 11000 मीटर से अधिक गहरा)

2- मध्य महासागरीय कटक - अपसारी प्लेट संचलन के दौरान निकले लावा से इनका निर्माण होता है। जैसे अटलांटिक महासागर में पाया जाने वाला मध्य महासागरीय कटक

3- गुयॉट - ये वितलीय मैदान में पाई जाने वाली छोटी पहाड़ियाँ होती है जिनका शीर्ष चपटा होता है।

4- सी-माउण्ट - ये भी वितलीय मैदान में नुकीली पहाड़ियों के रूप में पाये जाते हैं।

अभी भी गहरे समुद्रों की बैथीमेट्री पूर्णत: स्पष्ट नहीं है जिसको समझने के लिए डीप सी मिशन आदि कार्यरत हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What are the geographical and climatic conditions required for tea cultivation? In this context, discuss the reasons for the introduction of tea cultivation in the Duars region of the Himalayas by the British.

(150 words) 10

चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक और जलवायविक दशाएं क्या हैं? इस संदर्भ में, अंग्रेजों द्वारा हिमालय के दुआर क्षेत्र में चाय की खेती शुरू करने के कारणों की विवेचना कीजिए।

चाय एक बागानी व वाणिज्यक फसल है। भारत विश्व में प्रमुख चाय उत्पादक देशों में से एक है।

चाय की खेती के लिए आवश्यक भौगोलिक व जलवायुविक दशाऐं

1- वर्षा - २०० - २५० cm
2- तापमान - 22 - 25°C
3- मृदा - सुवाहित जल वाली मृदा जो कार्बनिक पोषक तत्वों से युक्त हो।
4- पहाड़ी ढलान वाली भौगोलिक स्थिति
5- वायु में पर्याप्त आर्द्रता व सूर्य प्रकाश की पर्याप्त उपलब्धता।

अंग्रेजो द्वारा हिमालय दुआर में चाय की खेती प्रारंभ करने के कारण

1- इस क्षेत्र में मानसून की बंगाल की

खाड़ी शाखा से पर्याप्त मात्रा में वर्षा की प्राप्ति होती है।

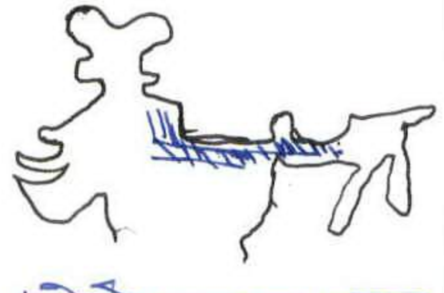

2. पर्याप्त ढलान तथा सुवाहित मृदा की उपस्थिति

3- सघन वनों के कारण मृदा में पर्याप्त ह्यूमस व पोषक तत्वों की उपलब्धता

4- असम, बिहार, बंगाल में सस्ते श्रम की उपलब्धता

5- अंग्रेजों के प्रमुख प्रशासनिक केन्द्र बंगाल से निकटता

6- उपनिवेशवाद के कारण अंग्रेजों के पास पर्याप्त पूँजी → अत: निवेश के माध्यम से लाभ प्राप्ति पर बल।

वर्तमान में हिमालय क्षेत्र के अतिरिक्त दक्षिण भारत जैसे केरल, कर्नाटक आदि भी नए चाय उत्पादक राज्यों के रूप में उभरे है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Briefly bring out the distinction between flash droughts and conventional droughts. Also, examine the reasons behind the increasing vulnerability of India to flash droughts. **(150 words) 10**

आकस्मिक सूखा और पारंपरिक सूखा के मध्य अंतर को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। साथ ही, आकस्मिक सूखे के प्रति भारत की बढ़ती सुभेद्यता के कारणों का परीक्षण कीजिए।

आकस्मिक सूखा किसी क्षेत्र में किसी वर्ष विशेष में वर्षा की मात्रा में अचानक कमी से उत्पन्न होता है।

वहीं पारंपरिक सूखा ऐसे क्षेत्रों में आता है जहां विभिन्न भौगोलिक व जलवायवीय दशाओं के कारण वर्षा की सीमित उपलब्धता रही है।

जैसे - तमिलनाडु का वृष्टि छाया क्षेत्र लद्दाख, राजस्थान, गुजरात (काठियावाड़), महाराष्ट्र (विदर्भ) आदि।

आकस्मिक सूखे के प्रति भारत की बढ़ती सुभेद्यता के कारण

1- अत्यधिक वनोन्मूलन के कारण प्राप्त होने वाली वर्षा में कमी देखी गई है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2- भारत की अधिकांश कृषि मानसून पर आधारित है जिससे आकस्मिक सूखे के कारण खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है।
e.g. वर्ष 2020 में वर्षा की कमी के कारण गेहूँ उत्पादन में कमी आई।

3- भारत में बढ़ती जनसंख्या के कारण जल संकट की समस्या (नीति आयोग - 600 मिलियन लोग) ~~को~~ ~~सम~~ है जिसे आकस्मिक सूखा और बढ़ा देता है।

4- वर्षा के प्रतिरूप में परिवर्तन से सूखे वाले क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा बाढ़ का कारण बनती है।
जैसे - ग्वालियर के पठार पर 2021 में वर्षा

5- भारत के जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों को धीमा कर नकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।

अतः वृक्षारोपण, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी कर तथा उचित आपदा प्रबंधन रणनीति के माध्यम से इससे निपटा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Though various initiatives have been taken to ensure social security for informal workers in India, there still exist gaps which need to be plugged. Discuss. **(150 words) 10**

हालांकि भारत में अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न पहलें शुरू की गई हैं, फिर भी कुछ कमियां मौजूद हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

भारत के श्रमबल का 90% के आसपास अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है जिन्हें सामाजिक सुरक्षा आदि का अभाव होता है।

सरकार द्वारा अनौपचारिक श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु शुरू की गई पहलें

1- ई- श्रम पोर्टल – विभिन्न श्रमिकों को इस पोर्टल के माध्यम से एक विशिष्ट पहचान नम्बर दिया जाएगा।

2- श्रम कानूनों का संहिताकरण - कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी विभिन्न श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के उपबंध करता है।

3- सरकार द्वारा श्रमिकों के लिए भविष्य निधि योजना जिसमें एक निश्चित भाग

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा तथा कुछ श्रमिक द्वारा भुगतान किया जाएगा।

पहलों में कमियाँ

1- श्रमिकों के औपचारीकरण पर कम फोकस अत: दीर्घकालिक सुधार के स्थान पर अल्पकालिक लाभ

2- श्रमिकों को इन पहलों का लाभ लेने हेतु ज्ञान व जागरूकता का अभाव

3- प्रवासी श्रमिकों पर उचित आँकड़ों का अभाव

4- पहलों का अप्रभावी क्रियान्वयन। ई-श्रम पोर्टल पर बहुत कम श्रमिक रजिस्टर

5- राजनीतिक व प्रशासनिक इच्छा शक्ति की कमी।

6- नियोक्ताओं द्वारा सामाजिक सुरक्षा देने के प्रावधानों का उल्लंघन

अत: श्रमिकों का औपचारीकरण, साक्ष्य आधारित नीति व विभिन्न हितधारकों का सहयोग नीति-निदेशक तत्व अनु. 47 को प्राप्त करने की दिशा में सकारात्मक कदम होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Critically assess the government's move on raising the age of marriage of women in India from 18 to 21 years. **(150 words) 10**

भारत में महिलाओं के विवाह की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के सरकार के कदम का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

सरकार द्वारा हाल ही में महिलाओं की विवाह-आयु को 18 से 21वर्ष करने सम्बंधी प्रस्ताव लाया गया है।

विवाह आयु बढ़ाने के पक्ष में तर्क

1- महिलाओं को शिक्षा के अधिक अवसर प्राप्त - क्योंकि विवाह की वजह से पढ़ाई छोड़नी पड़ती थी।

2- महिलाओं की रोजगार में भागीदारी बढ़ने से आर्थिक निर्भरता
(वर्तमान में LFPR में महिला हिस्सेदारी 9.1%)

3- SDG-5 के अनुसार लैंगिक समानता

4- सामाजिक पूर्वाग्रह व पितृवादी मानसिकता पर चोट जो कम उम्र की महिला से विवाह को उपयुक्त मानता है।

5- महिलाओं के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव तथा परिवार नियोजन निर्णयों में व्यापकता में वृद्धि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विवाह आयु बढ़ाने के विपक्ष में तर्क

1. वर्तमान में विवाह की औसत आयु 22.1% है

2. कानून का उल्लंघन बढ़ेगा [वर्तमान में 18वर्ष के बावजूद 15-19 वर्ष की 16% महिलाएँ विवाहित]

3- यौन कुंठा बढ़ेगी क्योंकि समाज में विवाह पूर्व यौन सम्बन्धों की अनुमति नहीं।

4. एक अध्ययन के अनुसार, प्रजनन हेतु उचित आयु 20-24 वर्ष है।

5- यदि मत डालने की उम्र 18 वर्ष तो विवाह उम्र भी इतनी होनी चाहिए।

विवाह करने का निर्णय व्यक्ति का निजी अधिकार है। अतः किसी कानून के स्थान पर शिक्षा व रोजगार के अवसर तथा जागरूकता के माध्यम से सरकार को आगे बढ़ना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Reservation for locals in private sector has again brought the debate around regionalism into focus. In this context, examine whether regionalism is a threat to national integration. **(150 words) 10**

निजी क्षेत्रक में स्थानीय लोगों के लिए आरक्षण के मुद्दे ने क्षेत्रवाद के इर्द-गिर्द होने वाली बहस को पुन: केंद्र में ला दिया है। इस संदर्भ में, परीक्षण कीजिए कि क्या क्षेत्रवाद राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा है।

हाल ही में हरियाणा सरकार ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में निवास के आधार पर 75% आरक्षण दिया है जिससे क्षेत्रवादी प्रवृत्तियाँ बढ़ने की संभावना बढ़ गई है।

क्षेत्रवाद - राष्ट्रीय एकता के समक्ष खतरा

क्षेत्रवाद एक ऐसी विचारधारा है जिसमें अपने क्षेत्र की प्रति अत्यधिक लगाव व दूसरे क्षेत्रों के प्रति उपेक्षा का भाव देखा जाता है।

→ क्षेत्रवाद से अन्तर्राज्यीय विरोध बढ़ता है जो राष्ट्रीय एकता को कम करता है।

→ राज्य में निजी क्षेत्र में आरक्षण बढ़ने से राज्यों में बीच गतिशीलता में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कमी आएगी जो अलगाववाद को बढ़ावा दे सकती है।

3- क्षेत्रवादी प्रवृत्तियाँ देश में संघर्ष व हिंसा को जन्म देकर राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के समक्ष चुनौती उत्पन्न करती हैं।

जैसे - महाराष्ट्र में बिहारी व यूपी मजदूरों पर हमला

लेकिन क्षेत्रवाद हमेशा नकारात्मक ही नहीं होता है, यदि इसमें अपने क्षेत्र के प्रति लगाव, तथा दूसरे क्षेत्र से विरोध की भावना न हो तो यह कई सकारात्मक परिणाम लाता है

जैसे - उस क्षेत्र का आर्थिक विकास को बढ़ावा (जैसे उत्तराखण्ड, झारखण्ड आदि)
- निवासियों की सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं की सुरक्षा (विशेषकर पूर्वोत्तर राज्य)
- राजनीतिक प्रतिनिधित्व में वृद्धि

अतः सरकारों को निजी क्षेत्र के भावना के स्थान पर शिक्षा, कौशल विकास आदि पर बल देना चाहिए ताकि राष्ट्रीय एकता व अखण्डता मजबूत रहे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Explain how agricultural surplus, growth of crafts and trade, and growing population led to the second urbanisation in ancient India.

(250 words) 15

व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार कृषि अधिशेष, शिल्प और व्यापार की वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राचीन भारत में द्वितीय नगरीकरण हुआ है।

द्वितीय नगरीकरण की शुरुआत 600 BC से मानी जाती है। हड़प्पा सभ्यता (2500-1700 BC, प्रथम नगरीकरण) के पतन के बाद ग्रामीण संस्कृति पर नगरीकरण का उदय महाजनपदों के विकास से जुड़ा हुआ है।

द्वितीय नगरीकरण का कारण

1- लोहे के आविष्कार से कृषि क्षेत्रों में उत्पादन अधिशेष की स्थिति उत्पन्न हुई जिससे कृषि-भिन्न गतिविधियों तथा शहरों में जनसंख्या के प्रवास को बल मिला क्योंकि उनकी खाद्य-पूर्ति इस अधिशेष से संभव थी।

2- धान की उत्पादकता बढ़ने से महिलाओं की मातृत्व क्षमता में वृद्धि हुई और जनसंख्या में वृद्धि हुई। बढ़ी हुई जनसंख्या ने कृषि-भिन्न जैसे

कुम्हार, लोहार, व्यापार आदि को बढ़ावा दिया।

3. शिल्पकार विभिन्न श्रेणियों के रूप में समूहबद्ध होने लगे और अपने शिल्प व्यापार को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रों का निर्माण किया। इन शिल्प केन्द्रों के आसपास जनसंख्या के विकास से नगर विकसित हुए।

4- इसी समय राजनीतिक क्षेत्र में छोटे-छोटे राज्यों के स्थान पर 16 बड़े जनपदों का उदय हुआ जो महाजनपद कहलाए और इनकी राजधानी में शहरी विकास हुआ।

5. जैन धर्म में कृषि कार्य को निषिद्ध बताया गया जिससे लोग गैर-कृषि कार्यों की ओर उन्मुख हुए।

6- इसी समय, व्यापार वाणिज्य विशेषकर मध्य एशिया, सिल्क रोड के कारण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

चीन के साथ आदि से व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया।

इन सब कारणों से कई बड़े नगर अस्तित्व में आए जैसे - पाटलिपुत्र, मथुरा, गांधार, कौशाम्बी, उज्जयिनी आदि।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. India of the 18th century failed to make progress economically, culturally and socially at a pace, which would have saved the country from collapse. Comment. (250 words) 15

18वीं शताब्दी का भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से उस गति से प्रगति करने में विफल रहा, जो देश को पतन से बचा सकता था। टिप्पणी कीजिए।

18 वीं शताब्दी में जहाँ एक तरफ मुगल सत्ता का पतन हुआ तो दूसरी तरफ अंग्रेजों द्वारा भारत पर कम्पनी के माध्यम से औपनिवेशिक शासन की शुरुआत हुई।

18 वीं सदी के भारत के पतन के कारण

1- आर्थिक कारण - इस समय की अधिकांश आर्थिक प्रगति कृषि पर निर्भर थी। लेकिन जमींदारों आदि ने न तो कृषि के विकास पर बल दिया और न शासकों ने कृषि को आधुनिक बनाने तथा उद्योगों को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

→ दूसरा, छोटे-छोटे राज्यों में आर्थिक संरक्षणवाद की नीति ने भी आर्थिक विकास को प्रभावित किया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2- सामाजिक - सांस्कृतिक कारक

1) समाज में वर्गीय विभाजन मौजूद था तथा जाति व्यवस्था अत्यधिक कठोर थी जिसने सामाजिक गतिशीलता को सीमित किया।

2) समाज में अनेक कुरीतियों जैसे सती प्रथा, बाल विवाह, विधवा विवाह निषेध, समुद्र पार यात्रा निषेध ने भारतीयों को कूप-मण्डूक बना दिया।

3) भारत की राष्ट्रीय संस्कृति व चेतना का अभाव तथा अपनी-अपनी संस्कृति को महत्व देने की प्रथा

इसके अतिरिक्त भी कुछ कारण विद्यमान थे —

1- कमजोर केन्द्रीय मुगल सत्ता
2- राज्यों में आपसी विरोध की भावना
3- अपने हितों को राष्ट्रीय हितों के ऊपर वरीयता देने की महत्वकांक्षा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इन सब कारणों का परिणाम यह हुआ है कि जो यूरोपीय व्यापारी भारत में व्यापारिक लाभ के उद्देश्य से आए थे, उन्होंने इन कमजोरियों का फायदा उठाकर भारत की सत्ता का पतन कर दिया और 200 वर्षों से अधिक समय अपना उपनिवेश बनाए रखा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. The withdrawal of the Civil Disobedience Movement triggered a two-stage debate on the strategic course of India's freedom struggle. Elucidate.

(250 words) 15

सविनय अवज्ञा आंदोलन की वापसी ने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की रणनीतिक कार्यप्रणाली के संबंध में दो-चरणों वाली बहस को आरंभ कर दिया। स्पष्ट कीजिए।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गांधीवादी चरण में सविनय अवज्ञा आंदोलन की शुरुआत 1930 से नमक कानून को तोड़ने के मुद्दे से हुई।

सविनय अवज्ञा आंदोलन में पूर्ण स्वराज का लक्ष्य रखा गया था किन्तु 1931 में गांधी व वायसराय इरविन के मध्य हुए समझौते के बाद इसे वापस ले लिया गया व आंदोलन अपने लक्ष्य की प्राप्ति में विफल रहा।

स्वतंत्रता संघर्ष की रणनीतिक प्रणाली में दो चरणों वाली बहस

प्रथम चरण इस आंदोलन की वापसी के बाद सुभाषचन्द्र बोस, जवाहर लाल नेहरू, राममनोहर लोहिया आदि को अत्यधिक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निराशा हुई और उन्होंने 1934 में कांग्रेस के भीतर रहकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन किया।

→ 1938 में नियोजन समिति के गठन के माध्यम से औद्योगीकृत विकास को बढ़ावा देने की रणनीति बनाई।

→ 1937 के चुनाव में भाग लेकर प्रांतीय सरकारों के माध्यम से जन-सुधार करने का प्रयास किया

→ 1939 में सुभाष चन्द्र बोस ने जर्मनी आदि के सहयोग से ब्रिटिश पर हमला करके आजादी प्राप्त करने की योजना बनाई।

द्वितीय चरण वहीं, दूसरी तरफ गांधी जी ने समझौते के बाद गोलमेज सम्मेलन में भाग लेकर ब्रिटिश सरकार से सुधार की अपेक्षा की किन्तु उनको

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मांगे पूरी नहीं हुई।

→ लंदन से वापस आने के बाद उन्होंने दूसरा सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जो सफल नहीं हुआ।

→ दिल्ली चलो आंदोलन के माध्यम से पुनः जनता को सक्रिय करने का प्रयास किया।

→ विभिन्न रचनात्मक कार्यों जैसे- हरिजन यात्रा, हरिजन पत्रिका, चरखा आदि के माध्यम से जनता को पुनः तैयार करने का प्रयास किया।

इस प्रकार, स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान विभिन्न विचारधाराओं के व्यक्तियों के द्वारा भिन्न-भिन्न रणनीतियाँ बनाई गई किन्तु सभी का उद्देश्य एक ही था — भारत की औपनिवेशिक सत्ता से आजादी

14. Throw light on the causes, course and outcomes of the Civil War, which followed the Russian Revolution. Also, bring out the reasons behind the Bolshevik victory. **(250 words) 15**

रूसी क्रांति के बाद हुए गृहयुद्ध के कारणों, गतिविधियों और परिणामों पर प्रकाश डालिए। साथ ही, बोल्शेविक विजय के कारणों को भी स्पष्ट कीजिए।

1917 में रूस की क्रांति शोषणकारी जारशाही को उखाड़ने व समाजवादी राज्य की स्थापना के लिए की गई।

किन्तु क्रांति के कुछ समय बाद ही रूस में गृहयुद्ध प्रारंभ हो गया।

गृहयुद्ध के कारण व परिणाम

1- क्रांति में दो दल जारशाही का विरोध कर रहे थे —

- मेन्शेविक ↓ केरेंसकी (प्रमुख)
- बोल्शेविक ↓ लेनिन (प्रमुख)

→ क्रांति के पश्चात मेन्शेविक दल सत्ता में आया किन्तु उसकी कुछ नीतियों ने जन-सामान्य को उग्र बना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

दिया जैसे —

- व्यापक सुधारों के स्थान पर क्रमिक सुधारों को धीरे - धीरे लाना
- प्रतिनिधि सभा में कुलीनों को स्थान देना
- भूमि अधिग्रहण के लिए जमींदारों को क्षतिपूर्ति देना।

- इसके परिणामस्वरूप लेनिन के नेतृत्व में विद्रोह हुआ
- इस विद्रोह में केरेन्सकी की सरकार को समर्पण करना पड़ा और लेनिन के नेतृत्व में सर्वहारा की सत्ता स्थापित हुई।

बोल्शेविक के विजय के कारण

1- बोल्शेविक का नेता लेनिन एक कुशल नेतृत्व कर्ता था।
2- लेनिन ने केरेन्सकी सरकार की वास्तविकता को उजागर जनसहयोग

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्राप्त करने में सफलता प्राप्त की।

3) लेनिन ने क्रांति के उद्देश्यों को अपूर्ण बताया तथा वास्तव में सर्वहारा शासन लाने के मुद्दे पर जनता को लामबंद किया।

4) उसकी 'लाल सेना' ने छापामार युद्ध प्रणाली अपनाई।

इस प्रकार, गृहयुद्ध के पश्चात लेनिन के नेतृत्व में रूसी सरकार ने USSR के रूप में एक मजबूत समाजवादी राज्य की स्थापना की।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are Glacial Lake Outburst Floods (GLOFs)? Highlighting the susceptibility of the Himalayan region to GLOFs, state the measures required to address them. **(250 words) 15**

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड्स (GLOFs) क्या हैं? GLOFs के प्रति हिमालयी क्षेत्र की सुभेद्यता पर प्रकाश डालते हुए, इनके समाधान के लिए आवश्यक उपायों का उल्लेख कीजिए।

ग्लेशियल लेक का निर्माण हिमोढ़ के पीछे हटने तथा निर्मित गड्ढ़े में जल भराव के कारण होता है। जब इस लेक मे अत्यधिक जल हो जाता है तो यह तट से तोड़कर निकल जाता है जिससे तीव्र बाढ़ आती है जिसे GLOFs कहते हैं।

GLOFs के प्रति हिमालयी क्षेत्र की सुभेद्यता के कारण

1- हिमालय में ग्लेशियरो की अत्यधिक उपस्थिति के कारण बड़ी मात्रा में ग्लेशियल लेक की उपस्थिति देखी जाती है।

2- पर्वतीय क्षेत्र में बाढ़ भूस्खलन आदि का कारण बनती है जो व्यापक विनाश को जन्म देती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- GLOFs के कारण जैव विविधता व पर्यावासों की हानि होती है जो हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र की सुभेद्यता को और अधिक बढ़ा देती है

4. हिमालयी क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन एक कठिन कार्य होता है।

5- GLOFs कभी-कभी नदियों में बाढ़ का कारण बनती है जिससे भयंकर व विनाशात्मक परिणाम उत्पन्न होते है।

6- बढ़ते GHGs उत्सर्जन व ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियरों के पिघलने की तीव्र दर हिमालयी क्षेत्र को GLOFs के लिए अधिक सुभेद्य बना रही है।

GLOFs के समाधान के उपाय

1- ग्लेशियल लेक पर जल दबाव बढ़ने से पूर्व उससे जल निकासी की व्यवस्था करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2- बाढ़ के प्रभाव को कम करने हेतु वृक्षारोपण को बढ़ावा देना।

3- ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम कर वायुमण्डील तापन को सीमित करना ताकि ग्लेशियर पिघलने की दर कम हो।

4- नदी किनारे तटबंधों का निर्माण करना।

5- चैक डैम आदि बनाना।

6- सुभेद्य क्षेत्रों की पहचान कर जोखिम आकलन तैयार करना।

GLOFs की बढ़ती आवृत्ति व तीव्रता आपदा का रूप ले रही है अतः जलवायु परिवर्तन को रोकने के प्रयासों में तेजी तथा आपदा प्रबंधन हेतु सेंडाई फ्रेमवर्क का उपयोग SDG लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Highlighting the significance of critical minerals, provide an account of their distribution in India and the world. (250 words) 15

महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व को रेखांकित करते हुए, भारत और विश्व में उनके वितरण का विवरण प्रस्तुत कीजिए।

पृथ्वी के भीतर पाये जाने वाले मूल्यवान तत्व खनिज कहलाते हैं।

खनिजों का महत्व

1- खनिजों से ऊर्जा की प्राप्ति होती है —

जैसे- कोयला से विद्युत उत्पादन
~~अपल~~ व पेट्रोलियम खनिज से वाहनों का संचालन

2- लोहा, एल्युमीनियम आदि खनिज किसी देश की अर्थव्यवस्था में उद्योगों को आधार देते हैं तथा इससे विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ बनती हैं।

3- सिलिकॉन, चूना पत्थर आदि भवन निर्माण में महत्व रखते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4- दुर्लभ धातु खनिज, लीथियम आदि बैटरी, सोलर ऊर्जा तथा ट्रांजिस्टर आदि तकनीकों के निर्माण में महत्व।

विश्व में खनिजों का वितरण

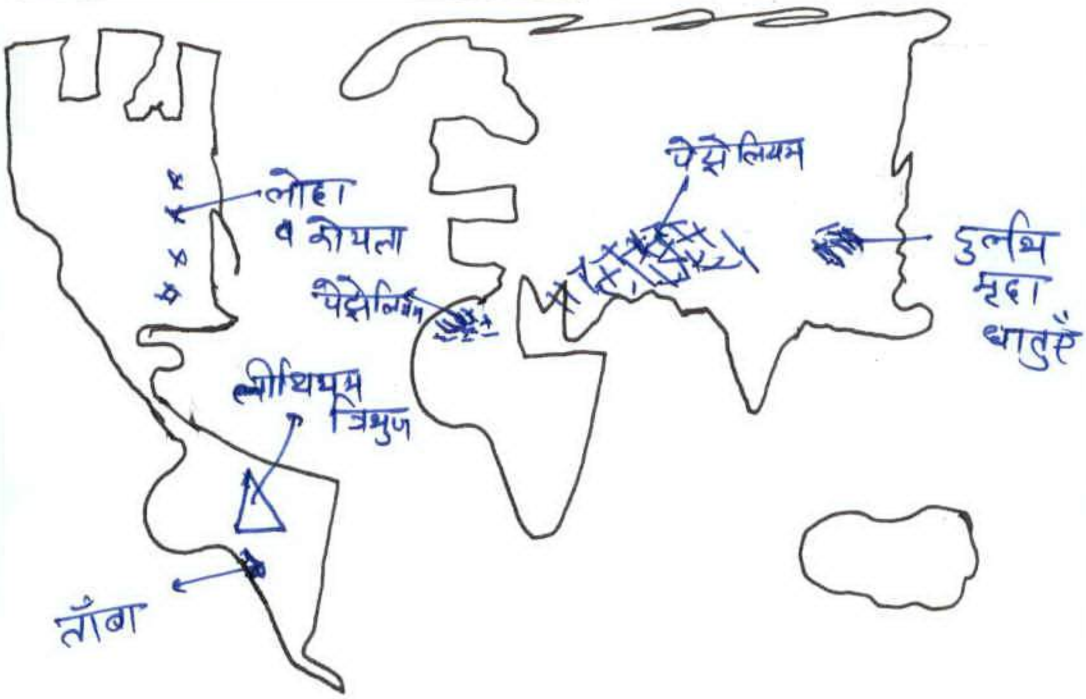

विश्व में खनिजों का वितरण

भारत में खनिजों का वितरण

- पूर्वी पठारीय क्षेत्र → झारखंड, उड़ीसा, छोटा नागपुर आदि
- मध्य भारत क्षेत्र → छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश आदि
- दक्कन का पठार → महाराष्ट्र, कर्नाटक आदि

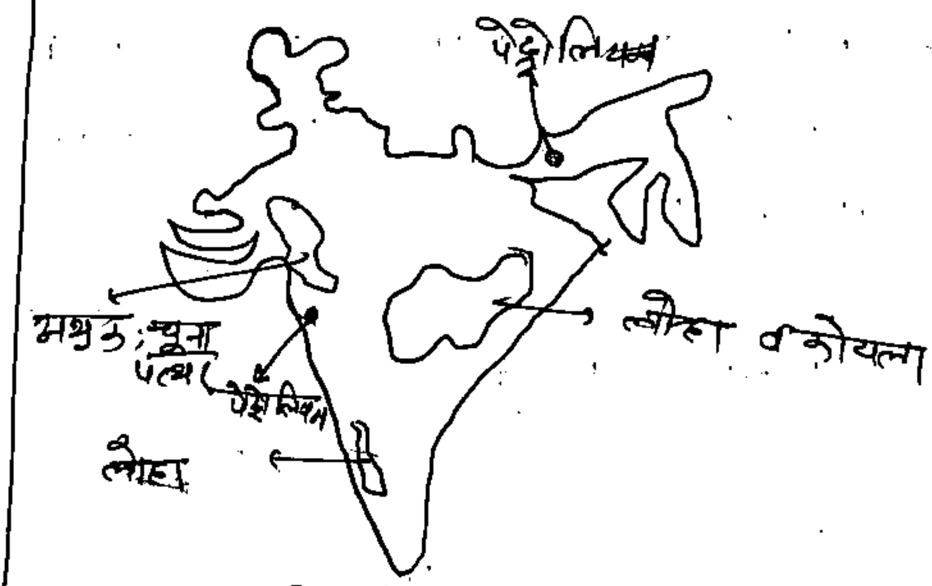

भारत में खनिजों का वितरण

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Highlighting the importance of ice sheets, discuss the likely impact of their melting on the planet with special focus on India. (250 words) 15

हिम चादरों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, भारत के विशेष संदर्भ में पृथ्वी पर उनके पिघलने के प्रभाव की विवेचना कीजिए।

हिम चादर पृथ्वी के विस्तृत भाग पर जमी हुई बर्फ होती है। अंटार्कटिका, आर्कटिक तथा हिन्दुकुश हिमालय (HKH) में हिम चादर की सघन उपस्थिति देखने को मिलती है।

हिम चादरों का महत्व

1- ये पृथ्वी के एल्बिडो को बढ़ाकर पृथ्वी को अत्यधिक तापन से बचाती हैं।

2- हिम चादर स्वच्छ जल के स्रोत होते हैं। HKH के कारण भारत में नदियों को वर्ष भर जल की प्राप्ति होती है।

3- हिम चादरों में CO_2 को सोखने की क्षमता होती है जो GHGs की मात्रा में कमी कर जलवायु परिवर्तन को धीमा करते हैं।

Call us : 8468022022, 9019066066 Visit us : www.visionias.in

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. हिम चादर पोलर बियर, स्नो लेपर्ड आदि जन्तुओं को आवास प्रदान कर जैव विविधता संरक्षण करती है।

हिम चादरों के पिघलने का प्रभाव

1- विश्व पर प्रभाव

1) महासागरों के जल में अत्यधिक वृद्धि जिससे कई द्वीपों व तटीय प्रदेशों (जैसे - मालदीव, आसियान देश आदि) के जलमग्न होने का खतरा

2) बर्फ में दबी CO_2 निकलने से GHGs में वृद्धि

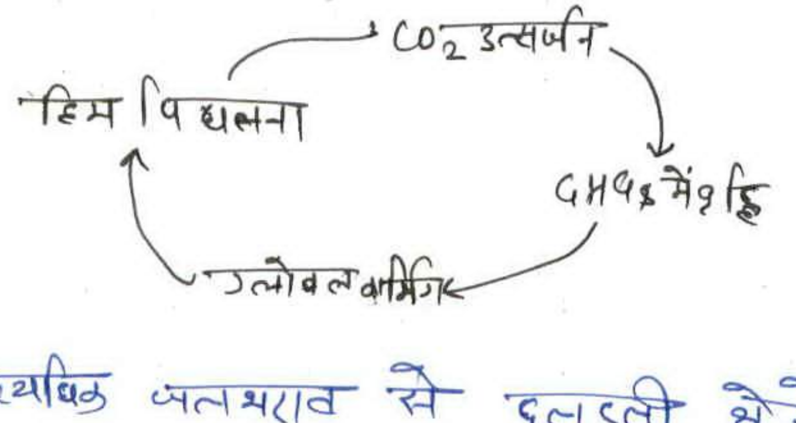

3) अत्यधिक जलस्राव से दलदली क्षेत्रों का निर्माण → मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4) अनेक संक्रामक रोगों में वृद्धि
5) विश्व के जल चक्र में असंतुलन।

2. भारत पर प्रभाव

1- हिमालय की हिम पिघलने से गंगा-ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन में बाढ़ → अत्यधिक हानि
2- भारत में इन नदियों में जल की समस्या → खाद्य सुरक्षा प्रभावित
3- समुद्र स्तर में वृद्धि से तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने तथा मृदा के लवणीय होने की समस्या
4. तटीय जल स्रोत दूषित

अतः हिम पिघलने के व्यापक खतरे को देखते हुए पेरिस सम्मेलन में घोषित लक्ष्यों की प्राप्ति में तीव्रता लानी चाहिए ताकि तापमान 1.5°C से कम रहे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are twin cyclones? Discuss the role of Rossby waves and Madden-Julian Oscillation (MJO) in their formation. **(250 words) 15**

जुड़वाँ चक्रवात (ट्विन साइक्लोन) क्या होते हैं? उनके निर्माण में रॉस्बी तरंगों और मैडेन-जूलियन दोलन (MJO) की भूमिका की विवेचना कीजिए।

चक्रवात एक निम्न वायुदाब के केन्द्र होते है जिसमें वायु बाहर से अन्दर की ओर वृत्ताकार मार्ग में गति करती है।

ट्विन साइक्लोन उस स्थिति को कहते है जब समशीतोष्ण व उष्णकटिबंधीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Since independence, planning strategies for women's upliftment has evolved from welfare to development to empowerment. Elucidate. Also, discuss the role played by voluntary organizations in this context.

(250 words) 15

स्वतंत्रता के पश्चात, महिलाओं के उत्थान के लिए नियोजन रणनीतियां कल्याण से लेकर विकास और सशक्तीकरण तक विकसित हुई हैं। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में स्वयंसेवी संगठनों द्वारा निभाई गई भूमिका की भी विवेचना कीजिए।

भारत की जनसंख्या में लगभग 49% महिलाएं पाई जाती हैं लेकिन उनकी निम्न स्थिति के कारण महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने हेतु सरकार द्वारा अनेक रणनीतियां बनाई।

महिला उत्थान के लिए रणनीतियां

1- 1955 में हिन्दू महिलाओं को हिन्दू कोड बिल के माध्यम से तलाक तथा संपत्ति में अधिकार दिया।

2- संविधान के निर्माण के समय ही सार्वभौमिक मताधिकार प्रदान किया।

3- अनु. 15 के तहत राज्य को महिलाओं के पक्ष में विशेष प्रावधान करने का अधिकार

4- 73वें, 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से अनु. 243D व 243T के तहत स्थानीय

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

निकायों में 33% आरक्षण की व्यवस्था।

4- स्वास्थ्य ~~संबंधी~~ समस्याओं के लिए विभिन्न योजनाएँ –
- → मातृ वंदना योजना
- → जननी सुरक्षा योजना
- → लाड़ली लक्ष्मी योजना
- → उज्ज्वला योजना

5- शिक्षा के लिए – STEM में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने हेतु छात्रवृत्ति
- → बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ
- → राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान

6- रोजगार व सशक्तीकरण हेतु
- → मनरेगा योजना
- → राशनकार्ड महिला लाभार्थी के नाम
- → संपत्ति महिला के नाम पर लेने पर स्टाम्प शुल्क में छूट

हालांकि अभी भी महिलाओं की स्थिति में पर्याप्त सुधार नहीं हुआ –
- लिंगानुपात - 943/1000
- महिला साक्षरता - 65% (पुरुष - 82%)
- राजनीतिक प्रतिनिधित्व - संसद में 14% महिलाएँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ 70% अधिक महिलाएँ एनीमिया से पीड़ित आदि।

महिला उत्थान में स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका

1- ये महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाते है।

2- महिलाओं में आर्थिक उद्यमिता का विकास कर सशक्तीकरण को बढ़ावा ~~जैसे~~ महाराष्ट्र में सेवा

3- महिलाओं की बारगेनिंग पावर में वृद्धि करते है।

4- समाज में व्याप्त ग्लास सीलिंग इफेक्ट को तोड़ने में मदद करते है।

5- महिलाओं सम्बन्धी स्वास्थ्य, पोषण, प्रजनन आदि के संबंध में शिक्षित करते है।

6- सूक्ष्म ऋणों की प्राप्ति में सहायक

अमर्त्य सेन के अनुसार किसी देश का विकास ~~बि~~ महिलाओं की समुचित भागीदारी के बिना अपूर्ण व अन्यायपूर्ण है अत: उन्हें मुख्यधारा में लाने के प्रयास तीव्र करने चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. How far do you agree with the view that globalisation has aggravated the challenges faced by the poor in India? **(250 words) 15**

आप इस विचार से कहां तक सहमत हैं कि वैश्वीकरण ने भारत में निर्धनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को और बढ़ा दिया है?

वैश्वीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें आर्थिक-राजनीतिक व वैचारिक एकीकरण के माध्यम से ग्लोबल विलेज की अवधारणा को बल मिलता है।

वैश्वीकरण के कारण निर्धनों के समक्ष चुनौतियां

1- वैश्वीकरण के कारण तीव्र गति से शहरीकरण → जिससे श्रमिकों के लिए आवास की समस्या → मलिन बस्तियों का विकास।

2- नवीन तकनीकों (AI, IOT, रोबोटिक्स) आदि में उच्च कौशल की मांग के कारण निर्धन व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसरों में कमी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3- निजीकरण की अवधारणा को बल मिला जिससे सामाजिक कल्याण के स्थान पर लाभ को महत्त्व → जिससे निर्धनों को नुकसान

4- आय विषमता में अत्यधिक वृद्धि
विश्व आय असमानता रिपोर्ट 2021
टॉप 10% आबादी - 57% संपत्ति

5- शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं का बाजारीकरण होने से इसकी कीमत में वृद्धि

6- उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रसार के कारण उनकी परंपरागत संस्कृति पर चुनौती।

हालांकि वैश्वीकरण ने निर्धनों को कुछ लाभ भी पहुंचाएँ है —

1- वैश्विक दुनिया से जुड़ने के कारण सूचना व शिक्षा के अवसरों में वृद्धि।

2- रोजगार के नए साधनों का विकास
3- अपने अधिकारों के बारे में जागरुकता में वृद्धि आदि।

अतः समावेशी विकास के लिए सरकार को निर्धनों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास करना चाहिए ताकि वे भी वैश्वीकरण का लाभ ले सके।